हिमानी थापलियाल

(लैफ्टिनेंट कर्नल)

अपनी जगह जरूर बनाएं

तू शाहीं है परवाज़ है काम तेरा
तेरे सामने आसमां और भी हैं

आसमान तो बहुत है, मगर उन्हें फतह करने वाला कोई-कोई है। अपने हुनर और अपनी मेहनत की बदौलत आसमान की बुलंदियों को छूने वाली ये शख्सियत हैं, लैफ्टिनेंट कर्नल हिमानी थापलियाल जिन्होंने अपने फौलादी जज्बे और हिम्मत से वो मकाम हासिल कर दिखाया जो हर किसी के बस की बात नहीं। न डाक्टर बनने का ख्वाब रहा, न इंटरप्रिनयोर बनने की चाहत थी, अगर कुछ चाहा तो देश की सेवा में अपने जीवन को गुज़ारने का संकल्प लिया। न घर की जिम्मेदारियां उनके पैरों की बेड़ियां बन पाईं और न ही मुश्किल रास्ते उनकी वापसी की वजह सिद्ध हुए। हिमानी ने न सिर्फ अपने ख्वाब को महज़ मन में सजाया बल्कि मैदान में उतरीं और उन्हें मंज़िल तक पहुंचाया। हिमानी ने आफिसर ट्रेनिंग अकादमी से कोर्स पूरा करने के बाद साल 2004 में इंडियन आर्मी ज्वाईन की और उनकी पहली पोस्टिंग श्रीनगर में हुई। उसके बाद उन्होंने जम्मू कश्मीर के नार्थ ईस्ट रीज़न में मीलिटरी इंजीनियरिंग सर्विसिस और ओएनजीसी में अपनी सेवाएं दी। आर्मी का हिस्सा बनने के बाद हिमानी ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। इसके बाद हिमानी की पोस्टिंग और भी कई जगह रही और इस दौरान उन्हें अपने करियर में कई मुश्किलात का सामना भी करना पड़ा। मगर बुंलद हौंसले हिमानी को नहीं रोक पाए। उसके बाद हिमानी ने वेदांता लिमिटेड कंपनी को ज्वाइन किया, जहां उन्हें चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर के पद के लिए चुना गया। हिमानी का ये कदम समस्त महिलाओं के लिए गौरव की बात है। खास बात ये है कि हिमानी पूरे वेदांता ग्रुप में पहली महिला चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर चुनी गई। जहां वो अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाती हैं और उन्हें अपने काम के लिए कई बार सम्मानित भी किया जा चुका है। हिमानी अपने काम के साथ-साथ अपने बच्चों की भी बखूबी परवरिश कर रही हैं। चाहे उनकी शिक्षा हो या रहन-सहन, हिमानी हर तरह से बतौर मां अपने बच्चों का पूरा ख्याल रखती हैं। इसके अलावा हिमानी को अपने पति का भी पूरा सहयोग हासिल हुआ। हिमानी का यही सपना है कि वे अपना समस्त जीवन देश की सेवा में ही लगाए। वेदांता एलुमीनियम प्लांट में हैड सिक्युरिटी की पोज़िशन उनके इसी ख्वाब का हिस्सा है। वो चाहती हैं कि समाज की सभी महिलाएं आगे बढ़े और आत्मनिर्भर बनें। उनका व्यक्तित्व वाकई महिलाओं के लिए किसी मार्गदर्शन से कम नहीं आंका जा सकता है। उनका किरदार और उनकी शख्सियत समस्त महिला जाति के लिए किसी आर्दश से कम नहीं है।